प्रश्न–पत्र की योजना 2025–2026

कक्षा – 10th
विषय – हिन्दी
अवधि – 3 घंटे 15 मिनिट पूर्णांक– 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	17	21.25
2.	अवबोध	32	40.00
3.	ज्ञानोपयोग	13	16.25
4.	कौशल	13	16.25
5.	विश्लेषण	5	6.25
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकार अनुसार अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	18	1	18	22.5	34.61	25
2.	रिक्तस्थान	06	1	06	7.5	11.54	10
3.	अतिलघुत्तरात्मक	12	1	12	15.0	23.08	40
4.	लघुत्तरात्मक	09	2	18	22.5	17.31	45
5.	दीर्घउत्तरीय	04	3	12	15.0	7.69	40
6.	निबंधात्मक	03	1X6=6 2X4=8	14	17.5	5.77	35
	योग	52		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	क्षितिज (गद्य)	18	22.5
2	क्षितिज (पद्य)	15	18.75
3	कृतिका	11	13.75
4	व्यावाहारिक व्याकरण	10	12.5
5	रचना–पत्र	4	5.0
6	निबन्ध	6	7.5
7	संक्षिप्तीकरण एवं पल्लवन	4	5.0
8	अपठित गद्यांश	6	7.5
9	अपठित पद्यांश	6	7.5
	योग	80	100

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2025–2026

कक्षाः –10th विषय :– हिन्दी समयः– 3 घंटे 15 मिनिट पूर्णांक :– 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	क्षितिज (गद्य)					3(1) *		1(3)		1(3)	2(1)						2(2)	1(-) *						1(1)						1(-)*		18(11)
2	क्षितिज (पद्य)							1(3)		1(3)	2(1)						2(2)							2(1)						1(-)*		15(10)
3	कृतिका							1(4)									2(2)							2(1)						1(-)*		11(7)
4	व्यावहारिक व्याकरण	1(2)	1(6)		2(1)																											10(9)
5	रचना–पत्र						1(-)*																		2(1)*						1(-)*	4(1)
6	निबन्ध						1(-)*																		4(1)*						1(-)*	6(1)
7	संक्षिप्तीकरण एवं पल्लवन						2(-)*																		2(1)*							4(1)
8	अपठित गद्यांश							1(3)		1(3)																						6(6)
9	अपठित पद्यांश							1(3)		1(3)																						6(6)
	योग	2(2)	6(6)		2(1)	3(1)	4(-)	16(16)		12(12)	4(2)						12(6)	1(-)						5(3)	8(3)					3(-)	2(-)	80(52)
	सर्वयोग	17(10)						32(30)						13(6)						13(6)						5(-)						

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोटः–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतकहै।

विशेष :- उक्त ब्ल्यू प्रिन्ट मॉडल प्रश्न पत्र का है जो प्रश्नों के प्रकारों को समझने की सुविधा मात्र के लिए है। मूल प्रश्न पत्र का ब्ल्यू प्रिन्ट भिन्न हो सकता है।

माध्यमिक परीक्षा, 2025–2026

Secondary Examination, 2025-2026

नमूना प्रश्न–पत्र

Model Paper

विषय – हिन्दी

Sub : Hindi

कक्षा – 10

Class : 10Th

समय : 03 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 80

परीक्षार्थी के लिए सामान्य निर्देश :–

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

   Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.

2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।

   All the questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

   Write the answer to each question in the given answer-book only.

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

   For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.

5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

   Write down the serial number of the question before attempting it.

   If there is any error/difference/contradiction in Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

6. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 मे आन्तरिक विकल्प है।

   There are internal choices in Question No.16 to 22.

BSER

खण्ड – अ
Section - A

1) **निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।**

i) भौगोलिक शब्द में कौनसा प्रत्यय हैं ? – (1)

अ) इत ब) इक

स) अक द) आक

ii) 'निराकर' शब्द किस उपसर्ग से बना है ? (1)

अ) निः ब) निर्

स) निस् द) निर

iii) व्यक्ति जो पेट भरा और तन ढ़का होने पर भी सो नहीं पाता, होता है– (1)

अ) असन्तुष्ट व्यक्ति ब) साधु

स) सभ्य व्यक्ति द) संस्कृत व्यक्ति

iv) निम्नलिखित में से कौनसी रचना मन्नू भण्डारी की नहीं है ? (1)

अ) झूठा सच ब) त्रिशंकु

स) मैं हार गई द) एक प्लेट सैलाब

v) लेखक ने बालगोबिन की संगीत साधना का चरमोत्कर्ष किस दिन देखा ? (1)

अ) आषाढ़ की रिमझिम में ब) सन्त संमागम में

स) गर्मियों का साँझ में द) पुत्र की मृत्यु पर

vi) गोपियों द्वारा उद्धव को अन्त में कौनसा धर्म याद दिलाया जाना प्रदर्शित है ? (1)

अ) राजधर्म ब) प्रेम धर्म

स) मित्र धर्म द) ज्ञान धर्म

vii) 'अट नहीं रही है' कविता में किस मास की मादकता का वर्णन किया गया है। (1)

अ) फागुन ब) चैत्र

स) श्रावण द) आषाढ़

viii) संगतकार का कार्य होता है– (1)

अ) मुख्य गायक के साथ स्वर मिलाकर उसके स्वर को बल प्रदान करना।

ब) मुख्य गायक से संगीत सीखना।

स) मुख्य गायक की अनुपस्थिति में गायन करना।

द) मुख्य गायक की सेवा करना।

BSER

ix) भोलानाथ एवं उसके दोस्तों का कौनसी शरारत महँगी पड़ी ? (1)

अ) दोस्तों के साथ स्कूल से बंक मारना

ब) चूहों के बिल में पानी डालना

स) बरातियों को चिढ़ाना

द) मूसन तिवाड़ी के साथ बद्तमीजी करना

x) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि आलसी लोग किस दबाव के बिना नहीं लिख पाते ? (1)

अ) माता–पिता का दबाव ब) आन्तरिक दबाव

स) बाहरी दबाव द) सरकारी दबाव

xi) 'साना–साना हाथ जोड़ि.....' पाठ की लेखिका गंतोक में सुबह आँख खुलते ही बालकनी की और क्यों दौड़ी ? (1)

अ) चिड़िया को पकड़ने के लिए

ब) कंचनजंघा देखने के लिए

स) सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल देखने के लिए

द) तीस्ता नदी को देखने के लिए

xii) 'तिम्रो माया सैंधे मलाई सताऊँछ' पंक्ति का तात्पर्य है। (1)

अ) माया से ही मलाई मिलती है

ब) तीन मोड़ के बाद सात पर्वत हैं

स) तुम्हारा प्यार मुझे सदैव रूलाता है

द) मलाई के लिए मुझे सताओ मत

2) **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः–**

i) जिस क्रिया का फल कर्त्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े वह..... क्रिया कहलाती है (1)

ii) वे विशेषण, जो किसी पदार्थ के गुण, दोष, रूप, रंग, आकार आदि का बोध कराते है,उन्हे ..... विशेषण कहते है (1)

iii) वे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि से कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें ..... शब्द कहते है। (1)

iv) सर्वनाम के .....भेद होते है। (1)

v) 'स्वागत' शब्द में .....संधि है। (1)

vi) रात–दिन शब्द में ..... समास है। (1)

BSER

3) **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।**

भारत के राष्ट्रीय आदर्श हैं त्याग और सेवा। आप इन धाराओं में तीव्रता उत्पन्न कीजिए और शेष सब अपने आप ठीक हो जायेगा। तुम काम में लग जाओ फिर देखोगे, इनती शक्ति आयेगी कि तुम उसे संभाल न सकोगे। दूसरों के लिए रती–भर सोचने से धीरे–धीरे हदय में सिंह का सा बल आ जाता है। तुम लोगों से मैं इतना स्नेह करता हूँ, परन्तु यदि तुम लोग दूसरों के लिए परिश्रम करते–करते मर भी जाओ, तो भी यह, देखकर मुझे प्रसन्नता ही होगी। केवल वही व्यक्ति सबकी अपेक्षा उत्तम रूप से कार्य करता है, जो पूर्णतया निःस्वार्थ है,

i) भारत के राष्ट्रीय आदर्श है (1)

अ) देशप्रेम ब) त्याग और सेवा

स) बलिदान द) उत्तम कार्य

ii) दूसरों के लिए सोचने से हदय में किस प्रकार का बल आ जाता है ? (1)

अ) बाज–सा ब) ईश्वर–सा

स) सिंह–सा द) बैल–सा

iii) 'स्वार्थी' शब्द का विपरीतार्थक शब्द गद्यांश में से छाँटकर बताइए। (1)

अ) परिश्रमी ब) उत्तम

स) निःस्वार्थ द) आदर्श

iv) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)

v) लेखक को क्या देखकर प्रसन्नता होगी। (1)

vi) कौनसा व्यक्ति उत्तम रूप से कार्य करता है ? (1)

4) **निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।**

उषा की लाली में अभी से गए निखर
हिमगिरि के कनक–शिखर'
आगे बढ़ा शिशु–रवि
बदली छवि, बदली छवि
देखता रह गया अपलक कवि
डर था प्रतिपल अपरूप यह जादुई आभा
जाए न बिखर, जाए न बिखर

i) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ? (1)

ii) पद्यांश में किस समय का वर्णन हुआ है ? (1)

iii) कवि को क्या डर लग रहा था ? (1)

iv) कविता में कवि ने हिमगिरी किसे कहा है ? (1)

अ) हिमालय ब) विन्ध्याचल

स) अरावली द) समुद्र

BSER

v) हिमगिरी के शिखर किससे निखर गए है ? (1)

अ) वर्षा ब) तेज धूप

स) उषा की लाली द) हरियाली

vi) कविता में रवि को किस के समान बताया है ? (1)

अ) कनक–शिखर ब) जादुई आभा

स) उषा की लाली द) शिशु

5) **निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।**

आसाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उत्तर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैः कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी–भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं । ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर–तरंग झंकार–सी कर उठी। यह क्या है– यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक–एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक–एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की और भेज रहा है और कुछ को' इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर।

i) आसाढ़ मास में प्राकृतिक वातावरण कैसा होता है ? (1)

ii) आसाढ़ की रिमझिम में गाँव के लोग क्या करते हैं ? (1)

iii) किसके संगीत के स्वर की तरंग स्वर्ग की ओर एवं लोगों के कानों की ओर आ रही है ? (1)

अथवा

प्रभात–फेरियाँ, हड़ताले, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश–खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद। मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था। स्थिति यह हुई कि एक बवण्डर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिताजी की आजादी की सीमा यही तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ–बैठूँ, जानूँ–समझूँ। हाथ उठा–उठा कर नारे लगाती, हड़ताले करवाती, लड़को के साथ शहर की सड़के नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आजादी के दायरे में चलना मेरे लिए।

(i) स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं की क्या भूमिका थी ?

(ii) शीला अग्रवाल की जोशीली बातो का लेखिका पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(iii) लेखिका ने स्वत्रतंत्रता संग्राम में कैसे सहभागिता निभाई ?

6) प्रस्तुत पठित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

फसल क्या है ?

और तो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू है वह

हाथों के स्पर्श की महिमा है

भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है

रूपान्तर है सूरज की किरणों का

सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का !

i) काव्यांश में किन मानवीय मूल्यों की ओर संकेत किया गया है ? (1)

ii) खेतों में लहलहाती हुई फसल को देखकर मानव मन से क्या चित्र उभरता है ? कल्पना के आधार पर लिखिए। (1)

iii) 'रूपान्तर है सूरज की किरणों का' पंक्ति का आशय लिखिए। (1)

अथवा

हमारैं हरि हारिल की लकरी।

मन क्रम वचन नंद–नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।

जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जक री।

सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यौं करूई ककरी।

सू तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।

यह तौ 'सुर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।

i) गोपियों ने कृष्ण की तुलना किससे और क्यों की है ?

ii) गोपियों का उद्धव द्वारा दिया गया योग संदेश कैसा प्रतीत होता है ?

iii) काव्यांश में रेखांकित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – ब
Section - B

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

7) हालदार साहब ने कैप्टन चश्मे वाले को सामने खड़ा देखते ही क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

8) 'लखनवी अंदाज' कहानी में लेखक ने 'पतनशील सामन्ती वर्ग पर कटाक्ष किया है।' कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (2)

9) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ? 'नौबत खाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

10) 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' काव्यांश के आधार पर वीर योद्धा की विशेषताएँ बताइए। (2)

11) आत्मकथा सुनाने का अभी समय नहीं है। कवि ने ऐसा क्यों कहा 'आत्मकथ्य' काव्यांश के आधार पर समझाइए। (2)

12) 'दंतुरित मुस्कान' मृतक में भी जान डालने में समर्थ होती है, कथन में निहित भाव को समझाइए। (2)

BSEP

13) लेखक के साथियों ने मूसन तिवारी को क्या कहकर चिढ़ाया और उसका क्या परिणाम हुआ ? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

14) लेखक ने जीव अपव्यय के बारे में क्या अनुमान लगाया ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

15) 'अपनी खिचड़ी अलग पकाना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (2)

खण्ड – स
Section - C

16) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर 'वो लगडा क्या जाएगा फौज में। पागल है पागल !'' पंक्ति का नेताजी के प्रति पान वाले का दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

(उत्तर सीमा 60–80 शब्द) (3)

अथवा

मानव की जो योग्यता उससे आत्म–विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

17) 'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है ?(3)

अथवा

'किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनके लोग तरह–तरह से अपना योगदान देते हैं। 'संगीतकार' कविता के आधार समझाइए। (उत्तर सीमा 60–80 शब्द)

18) ''कितना कम लेकर में समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती है।'' साना–साना हाथ जोडि..... पाठ के आधार पर समझाइए। (3)

अथवा

''मैं क्यों लिखता हूँ ? पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को कौन–कौनसी बाते लिखने के लिए प्रेरित करती है।

19) जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (3)

अथवा

रामवृक्ष बेनीपुरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

BSER

खण्ड – द
Section – D

निबंधात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा लगभग 150 शब्द)

Essay type question (Answer limit approximately 150 Words)

20) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। (6)

1) मोबाइल फोनः छात्र के लिए वरदान या अभिशाप

(i) प्रस्तावना (ii) मोबाइल फोन का बढ़ता प्रभाव

(iii) मोबाइल फोन का लाभ : वरदान (iv) मोबाइल फोन से हानि : अभिशाप

(v) उपसंहार

2) पर्यावरण संरक्षण और युवा

(i) प्रस्तावना (ii) पर्यावरण संरक्षण की समस्या

(iii) पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व (iv) पर्यावरण संरक्षण के उपाय

(v) उपसंहार

3) आत्मनिर्भर भारत

(i) प्रस्तावना (ii) आत्मनिर्भर भारत

(iii) आत्म निर्भर भारत के पाँच स्तम्भ (iv) आत्मनिर्भरता के उपाय एवं लाभ

(v) उपसंहार

21) स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अलवर का राकेश कुमार मानते हुए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को शैक्षणिक भ्रमण हेतु एक प्रार्थना पत्र लिखिए। (4)

अथवा

स्वयं को जोधपुर निवासी कमल मानते हुए अपने छोटे भाई आशीष को शिक्षा का महत्त्व समझाते हुए एक पत्र लिखिए।

22) निम्नलिखित अवतरण का संक्षिप्तीकरण कीजिए। (4)

'' पृथ्वी माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। यही स्वराज्य की भावना है, जब प्रत्येक व्यक्ति जिस पृथ्वी पर उसका जन्म हुआ है, उसे अपनी मातृभूमि समझने लगता है, तो उसका मन मातृभूमि से जुड जाता है, मातृभूमि उसके लिए देवता हो जाती है। उसके हृदय के भाव मातृभूमि के हृदय में आ मिलते है। जीवन में चाहे जैसा अनुभव हो, वह मातृभूमि से द्रोह की बात नही सोचता, मातृभूमि के प्रति जब यह भाव दृढ़ होता है, वहीं से सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म होता है। उस स्थिति में मातृभूमि पर बसने वाले नागरिकगण एक–दूसरे से सौदा करने या शर्त तय करने की बात नहीं सोचते। मातृभूमि के प्रति अपने कर्त्तव्य की बात सोचते हैं।

अथवा

निम्नलिखित पंक्ति का पल्लवन, कीजिए।

''मन के हारे हार है, मन के जीते जीत''

RSER